फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 345 प्रभात जयपुर, मंगलवार 16 जुलाई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

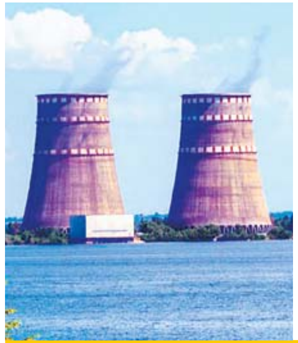

Russian Nuclear Threat: Why Is It Back In The Equation?

Ukrainian President Zelenskyy said that he believes that Putin isn't bluffing. "He wants to scare the whole world, these are the first steps of his nuclear blackmail."

Why Tomato Is A Must-add To Your Daily Diet

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

योगी आदित्यनाथ ने आखिर चुप्पी तोड़ी?

उन्होंने यू.पी. में भाजपा को लोकसभा चुनाव में लगे भारी झटके के कारण बताये

- श्रीनन्द झॉ -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, उल्लेखनीय बात यह है कि जो हार की वजह योगी आदित्यनाथ ने गिनायी, वह भाजपा हाईकमान द्वारा बताये गये कारणों से काफी भिन्न है।
- भाजपा हाईकमान ने यू.पी. में हार का मुख्य कारण यू.पी. में प्रदेश की संगठन इकाई की कमज़ोरी बताया है।
- पर, योगी आदित्यनाथ का पक्ष है कि यू.पी. में चुनाव में उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनाव की रणनीति तय करना सब केन्द्रीय नेतृत्व के हाथ में ही केन्द्रित था।
- बारीकी से देखा जाये तो यह समझ में आता है कि अपने वक्तव्य से योगी आदित्यनाथ ने यू.पी. में हार की जिम्मेवारी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व पर डाली है।
- ऐसा लगता है कि यू.पी. के दुष्परिणाम के बाद भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व, यू.पी. में "क्लीन स्लेट" से पुनः आरम्भ करना चाहता है, यानि मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाकर नए मु.मंत्री के नेतृत्व में पार्टी का पुर्ननिर्माण आरम्भ करना चाहता है।

नई दिल्ली,15 जुलाई। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ ही दी, सोमवार को उन्होंने राज्य में लोकसभा चुनावों में पार्टी के खराब पद्रर्शन के लिये ये कारण बताये- अति आत्मविश्वास, दलित वोटों का विपक्ष में चले जाना, अपनी उपलब्धियों पर निर्भरता में असफल रहना तथा सोशल मीडिया पर अपर्याप्त मौजूदगी।

इन अटकलों के बीच कि भाजपा नेतृत्व उन्हें "असफल नेता" के रूप में प्रोजेक्ट करने का मानस बना रहा है तथा ऐसी अफवाहें जोर पकड़ रही हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जायेगा, योगी ने आज यह स्पष्ट कर दिया कि वे कहीं जाने वाले नहीं हैं। लोकसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे उनके बताए कारण हाईकमान की सोच से पूरी तरह भिन्न हैं। पार्टी हाईकमान राज्य में पार्टी खराब प्रदर्शन के लिये राज्य स्तर की संगठनात्मक विफलता को इसका जिम्मेदार बता रही है।

योगी के पक्ष एवं उनके बचाव में एक तथ्य यह है कि उत्तरप्रदेश के चुनाव अभियान में, उम्मीदवारों के चयन से लेकर प्रचार की रणनीतियों तक का प्रबन्धन एवं निरीक्षण पूरी तरह पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा किया गया था। योगी के भाषण का "फाइन प्रिन्ट" बड़ा रोचक है क्योंकि उसमें वे राज्य में पार्टी को हुए नुकसान का दोष केन्द्रीय नेतृत्व पर मढ़ने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राज्य सरकार बताए, न्यायिक अफसरों की सुरक्षा के लिए क्या नीति बनाई'

जयपुर, 15 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षा देने के संबंध में राज्य सरकार से यह स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है कि उन्होंने इस संबंध में अभी तक क्या कार्रवाई की है और क्या नीति बनाई है। राजस्थान के चीफ जस्टिस (सी.जे.) एम.एम. श्रीवास्तव

- हाई कोर्ट ने न्याय शिखा अपार्टमैंट में एक महिला न्यायिक अधिकारी के घर चोरी होने के बाद स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई की और यह आदेश दिये।

व जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश इस प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य के एडवोकेट जनरल राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि जजों की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों के 1025 पद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भाजपा हाईकमान की राहुल व अखिलेश के बीच खाई उत्पन्न करने की रणनीति कामयाब होगी?

इस रणनीति के तहत, भाजपा राहुल गांधी को टारगैट करेगी तथा अखिलेश के प्रति नरम रहेगी, जिससे अखिलेश को सीधा मैसेज जाये कि उन्हें भी ई.डी. आदि के मार्फत परेशान किया जा सकता है, अगर वे राहुल का साथ देते रहे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- यह रणनीति, भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं के लखनऊ में आयोजित सम्मेलन में उजागर की। इस सम्मेलन का आयोजन, यू.पी. में लोकसभा चुनाव में भाजपा को लगे झटके के कारण जानने के लिये आयोजित किया गया था।
- नड्डा ने कांग्रेस की तुलना भस्मासुर से की ओर कहा, कांग्रेस, क्षेत्रीय पार्टियों का सहारा लेकर बढ़ती है और फिर जो उसको बढ़ने में मदद करते हैं, अन्त में उनको ही नष्ट कर देती है।

नई दिल्ली, 15 जुलाई। सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में फिर से अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में मोदी-शाह ने पार्टी अध्यक्ष नड्डा से कहा है कि वे अखिलेश यादव को रिझाकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में दरार डालने की कोशिश करें। ज्ञातव्य है कि हालिया लोकसभा चुनाव में सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने उत्तर प्रदेश भाजपा के विजय अभियान पर रोक लगाने में अहम भूमिका निभाई थी।

नड्डा पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिलकर लोकसभा चुनाव की हार के कारणों को जानने के लिए लखनऊ गए थे, ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को संदेश भेजा और उन्हें चेतावनी दी कि कांग्रेस का साथ उन्हें व उनकी पार्टी को खत्म कर सकता है।

उनका लक्ष्य कांग्रेस पर निशाना साधने व सपा को बख्श देने का है, साथ ही वे अखिलेश को यह भी समझाना चाहते हैं कि अन्य विपक्षी नेताओं की तरह उन पर भी केन्द्रीय एजेन्सियां कार्यवाही कर सकती हैं।

एक भाजपा नेता ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि मौजूदा भाजपा नेतृत्व का सारा ध्यान सत्ता बनाए रखने पर है। वे साम-दाम-दंड-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प की हत्या के प्रयास से राष्ट्रपति बाइडन की राजनीति में चमक लौटी

राष्ट्रीय डिबेट व "नाटो" शिखर सम्मेलन के बाद प्रैस कॉन्फ्रैंस में लचर प्रदर्शन के कारण जोर-शोर से मांग उठने लगी थी, बाइडन को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं बनना चाहिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, ट्रम्प पर गोली चलने के बाद बाइडन के खिलाफ शोर-शराबा थम गया, उनकी पार्टी के अन्दर व बाहर।
- अब डैमोक्रैटिक पार्टी बाइडन के पीछे संगठित होकर, चुनाव लड़ने की बात करने लगी है।
- शायद इस मूड परिवर्तन का कारण है, ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद का चुनाव हारने के बाद, राष्ट्रीय मीडिया पर जम कर प्रचार किया था कि उनको गैरवाजिब हथकण्डों से दोबारा राष्ट्रपति बनने से रोका गया है। उनकी इस अपील के बाद उनके समर्थकों ने कैपिटल हिल (संसदीय भवन) पर हथियारों से लैस होकर आक्रमण किया था, जिससे कई लोगों की मौत हुई थी, जिसमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।

नई दिल्ली, 15 जुलाई। आसाधारण कुछ भी नहीं हुआ : अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं और उस के लिए पुनः अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत कर रहे डॉनल्ड ट्रम्प पर गोली चला दी गई। वे बाल-बाल बचे।

इससे अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार का रंग एकदम से बदल गया। दोनों ही प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन्स तथा डैमोक्रेट्स ने राजनीतिक तापमान को शांत करने का आव्हान किया है। निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने "ओवल आफिस" से दिए एक संबोधन में उस घटना के प्रति खेद प्रकट किया। उन्होंने ट्रम्प से फोन पर भी बात की।

अमेरिका में हिंसा अन्तर्निहित है। डॉनल्ड ट्रम्प ने पिछली बार चुनाव हारने के बाद जो हिंसा करवायी थी, उस दौर का देश की राजनीति में आगमन हो चुका है। लेकिन, अमेरिका के राष्ट्रपति पद के एक प्रत्याशी के खिलाफ हुई यह खामोश घटना एक लम्बे अन्तराल के बाद हुई है। ऐसे ही एक अंतिम घटनाक्रम में डोनाल्ड रीगन पर गोली चलाई गई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री भजनलाल दिल्ली में

नई दिल्ली/जयपुर, 15 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित राजस्थान की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में

- मुख्यमंत्री ने दिल्ली में राष्ट्रीय राज मार्ग परियोजना की समीक्षा बैठक में भाग लिया तथा राज्य की सड़क परियोजनाओं पर चर्चा की।

नवीन तकनीक का इस्तेमाल कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। इसके साथ ही बैठक में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रदेश के लिए प्रस्तावित नवीन परियोजनाओं के संबंध में भी विस्तृत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत 2030 तक जापान और मैक्सिको को पछाड़ कर सबसे बड़ा पर्यटन बाज़ार बन जाएगा

यह घोषणा वर्ल्ड ट्रैवल एण्ड टूरिज़्म काउन्सिल की एक रिसर्च रिपोर्ट में की गई

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- उम्मीद है कि 2024 में पर्यटन उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था में 21.15 खरब का योगदान करेगा। इस योगदान से 2.45 मिलियन रोज़गार सृजित होंगे, यानि 11 में से एक रोज़गार पर्यटन से संबंधित होगा।
- भारत का घरेलू ट्रैवल मार्केट विश्व का छठा सबसे बड़ा ट्रैवल बाज़ार है और रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030 तक यह चौथे स्थान पर आ जाएगा।

नई दिल्ली, 15 जुलाई। भारत के तेजी से बढ़ते ट्रैवल एण्ड टूरिज़्म सैक्टर के वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था में अनुमानतः 21.15 ट्रिलियन रूपए (21,15000 करोड़) का योगदान देने की उम्मीद है। वर्ष 2019 की तुलना में यह 21 प्रतिशत की वृद्धि है। अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन के खर्च में क्रमिक रिकवरी का क्रम बना हुआ है, लेकिन घरेलू पर्यटन ने खासतौर पर स्थिति को संभाला है। पर्यटन से होने वाली आय के इस वर्ष 16 लाख करोड़ रूपयों से आगे जाने की उम्मीद है। इस वर्ष नौकरियों में 2045 मिलियन की वृद्धि होने का अनुमान है, जो एक के मुकाबले 11 नौकरियों तक की बढ़त है। यह कहना है वर्ल्ड ट्रैवल एण्ड टूरिज़्म काउन्सिल (डब्ल्यू.टी.टी.सी.) की एक रिसर्च रिपोर्ट का।

पर्यटन आय के आकार के मामले में पहले ही दुनिया में छठे स्थान पर काबिज भारत का घरेलू ट्रैवल मार्केट मध्यम वर्गीय पर्यटकों का दायर बढ़ने के कारण मजबूत वृद्धि करने जा रहा है। डब्ल्यू.टी.टी.सी. के अनुमानों की मैकिन्ज़ी एण्ड कम्पनी भी पुष्टि करती है, जिसने भविष्यवाणी की है कि वर्ष 2030 तक भारत जापान और मैक्सिको को पीछे छोड़कर दुनिया का चौथा सबसे बड़ा घरेलू ट्रैवल मार्केट बन सकता है। यात्रियों के कम फुटफॉल वाले एयरपोर्ट्स पर सब्सिडीयुक्त फ्लाइट्स चलाने की पहल पर्यटन सैक्टर को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

डब्ल्यू.टी.टी.सी. एक आशावादी रूख रखते हुए भारत के टूरिज़्म सैक्टर में निरन्तर प्रगति की भविष्वाणी करता है और उसने वर्ष 2034 तक भारत की जी.डी.पी. में इस सैक्टर से 43.25 ट्रिलियन रूपयों का इजाफा होने का अनुमान लगाया है। इस सैक्टर को नौकरियों के मजबूत सृजन और घरेलू व अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों से होने वाली आय का समर्थन प्राप्त होगा।

क्षेत्रीय तौर पर उम्मीद है कि इस सैक्टर के आर्थिक रूप से मजबूत होने पर दक्षिण एशिया विशेष तौर पर लाभान्वित होगा जो पर्यटन विकास में एक क्षेत्रीय नेता के तौर पर भारत की भूमिका को रेखांकित करता है।

डब्ल्यू.टी.टी.सी. की प्रैसिडैण्ट एवं सी.ई.ओ. तथा उड्डयन उद्योग की ग्लोबल लीडर जूलिया सिम्पसन ने ध्यान दिलाया है कि भारत के घरेलू पर्यटन सैक्टर ने वैश्विक महामारी के बाद आर्थिक रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने टिप्पणी की कि अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों से होने वाली आय के अभी वैश्विक महामारी के स्तरों तक आना शेष है, लेकिन घरेलू पर्यटन में वृद्धि हुई है, जो इस सैक्टर की मजबूती और क्षमता को दर्शाता है।

सिम्पसन कहती है कि वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता की वर्षगांठ तक 100 मिलियन पर्यटकों को भारत आने के लिए आकर्षित करने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना इसका प्रमाण है कि यह देश पर्यटन का एक ग्लोबल पावर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हेमंत सोरेन ने मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 15 जुलाई (वार्ता) झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

- झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी।

सोरेन ने धन शोधन से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत से छूटने के बाद पिछले दिनों राज्य के मुख्यमंत्री पद की दोबारा शपथ ली।

मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद सोरेन की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस पोस्ट में दोनों नेताओं की मुलाकात की फोटो भी साझा की है।

'जो नेता राजनीति में जोड़कर चलने की बात करते हैं वो ही सर्वोपरि रहते हैं'

सचिन पायलट ने इसी के साथ यह भी कहा कि जो नेता तोड़ने की बात करता है वो कुछ समय बाद स्वयं ही गिर जाता है

बौंली-बामनवास, 15 जुलाई (निसं)। क्षेत्र के मित्रपुरा तहसील अंतर्गत घाटा नैनवाडी गांव में हुए 111 देवनारायण कुंडात्मक महायज्ञ के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री और टोंक विधायक सचिन पायलट ने भी शिकत की और अपने पिता तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया।

यज्ञ का आयोजन घाटा नैनवाडी गांव के देवनारायण मंदिर के प्रांगण में हुआ है। ज्ञातव्य है कि मंदिर पहाड़ी पर बना है तथा मंदिर का प्रांगण पहाड़ी के नीचे है। सचिन पायलट ने धार्मिक आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया। पायलट ने उपस्थित लोगों को कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण होना बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा, जो नेता राजनीति में जोड़कर चलने की बात करता है, वह हमेशा सर्वोपरि रहता है और जो नेता तोड़ने की बात करता है, वह कुछ समय में स्वयं ही गिर जाता है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट बौली बामनवास क्षेत्र के नैनवाड़ी गांव में आयोजित 111 कुंडात्मक देवनारायण महायज्ञ के समापन अवसर कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। इस मौके पर पायलट ने मंदिर प्रांगण में ही स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का भी अनावरण किया।

- सचिन पायलट ने श्री देवनारायण मंदिर प्रांगण में सम्पन्न 111 कुण्डात्मक महायज्ञ के समापन अवसर पर कहा कि यह एक धार्मिक मंच है, मैं कोई राजनीतिक बात नहीं करूँगा, लेकिन विकास कार्य के लिए हम सब साथ मिलकर काम करेंगे।
- इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया गया।
- उप तहसील दतवास में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पायलट का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। वहीं, पायलट ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने पर जनता तथा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक धार्मिक मंच है, मैं किसी प्रकार की राजनीतिक बात नहीं करूंगा लेकिन फिर भी विकास कार्य के लिए हम सब साथ मिलकर काम करेंगे।

कार्यक्रम में कांग्रेस के सवाई माधोपुर के पूर्व विधायक दानिश अबरार, टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीणा, सवाई माधोपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शिवचरण बैरवा तथा क्षेत्रीय विधायक सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट के नैनवाडी तहसील में 9 दिन के महायज्ञ में पूर्णाहुति देने और प्रांगण में अपने पिता व कांग्रेस के नेता स्व. राजेश पायलट की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रामगढ़ बांध अतिक्रमणः मॉनिटरिंग कमेटी दो सप्ताह में रिपोर्ट दे

जयपुर, 15 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रामगढ बांध में अतिक्रमण से जुड़े मामले में गठित मॉनिटरिंग कमेटी को दो सप्ताह में हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में निरीक्षण रिपोर्ट पेश करने को कहा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश रामगढ बांध में अतिक्रमण को लेकर लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान से जुडे प्रकरणों पर सुनवाई करते हुए दिए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने रामगढ़ बांध में अतिक्रमणों पर स्वप्रेरित संज्ञान लेकर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए। हाई कोर्ट ने वर्ष 2011 में स्वतः संज्ञान लिया था।

कमेटी के सदस्य अधिवक्ता वीरेन्द्र डांगी ने बताया कि कमेटी ने गत जून माह में बांध क्षेत्र का दौरा किया था। जिसमें कई जगहों पर अतिक्रमण मिला है। अचरोल नाले के बीच एक फैक्टरी का निर्माण कर लिया गया है। इसके अलावा निम्स के पास भी पानी को रोका जा रहा है। इसके अलावा रोडा नदी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)